प्रश्न - निम्नलिखित गद्यांश का सारांश एक तिहाई शब्दों में लिखिए।

1.ऐसे विश्वास जो तर्क की कसौटी पर खरे नहीं उतरते फिर भी लोग आँख बंद करके मानते चले जाते हैं। ये अंधविश्वास कहलाते हैं। रविंद्रनाथ टैगोर लिखते हैं 'विश्वास प्रकाश की ओर ले जाता है और अंधविश्वास मृत्यु की ओर।' वास्तव में विश्वास और अंधविश्वास के मध्य एक महीन सी रेखा होती है। विश्वास में अद्भुत शक्ति होती है, जिसमें असंभव कार्य सिद्ध हो जाते हैं। विश्वास के सुदृढ़ आधार पर ही निश्चित सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ी जा सकती है, जबकि इसके विपरीत अंधविश्वास का कोई ठोस आधार नहीं होता। किसी भ्रम या कल्पना को आधार बनाकर वह अपनी जड़े जमाता है और तांत्रिक, ओझा व भगवान के चमत्कारों के नाम पर उस अंधविश्वास को हम हवा देते हैं। कुछ लोगों पर तो इनका भूत इस कदर सवार होते हैं कि वे इनके लिए किसी भी हद तक चले जाते हैं और पशुबलि या नरबलि से भी परहेज नहीं करते। चमत्कारी लाभ की उम्मीदें दिखाती ऐसी बेसिर पैर वाली हरकतों की खबरें आए दिन सुनाई देती हैं। अंधविश्वास का मनोविज्ञान गहरा है। निराश हो जाने वाले लोग तो अक्सर इसके चक्कर में फंसते ही हैं, वे भी इसे अपनाते हैं जो अपनी योग्यता को परखे बिना तुरंत ही ज्यादा हासिल कर लेना चाहते हैं।

2. भूटान की राजधानी थिंपू में अपने तीन पड़ोसी देशों - बांग्लादेश, भूटान व नेपाल से भारत का मोटर वाहन समझौता एक ऐतिहासिक आगाज है। बांग्लादेश, भूटान, इंडिया व नेपाल समझौते का प्रस्ताव भारत की ओर से किया गया था। इस समझौते से जहाँ इन देशों के बीच परिवहन की लागत घटेगी वहीं मल्टीमॉडल परिवहन और पारगमन सुविधाओं का भी विकास होगा। चारों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। इसका मूल उद्देश्य है इन देशों के निवासियों के बीच हर स्तर पर आपस का संपर्क विस्तार। वह नागरिक संपर्कों का क्षेत्र हो सांस्कृतिक आदान-प्रदान का, बौद्धिक विमर्श का या फिर छोटे से छोटे व्यापार का। हम अपने वाहन से एक दूसरे के यहाँ चले जाएँ, यह कोई सामान्य बात नहीं है। इसमें क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि और इनके लिए क्षेत्रीय एकीकरण का लक्ष्य निहित है। यह समझौता इन लक्ष्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।